Govt.of MadhyaPradesh
मध्य प्रदेश शासन

Office of the Field Director
Panna Tiger Reserve
Panna, Madhya Pradesh, (India)
Phone No. +917732-252135 (O) **Fax,** +917732-252120
E-mail: fdptr@rediffmail.com **Website:** www.pannatigerreserve.in

Panna Tiger Reserve
पन्ना टाईगर रिजर्व

प्रेस नोट

पन्ना बाघ पुर्नस्थापना योजना की पटरानी (टी–1) एवं पन्ना बाघ पुर्नस्थापना के महराज (टी–3) ने मिल कर रचाया इतिहास पर इतिहास

पन्ना टाईगर रिजर्व की बाघ पुर्नस्थापना योजना की पटरानी कहलाने वाली टी–1 पन्ना के नई बाघ पीढ़ियों के पिता कहे जाने वाले (टी–3) दोनों ने मिल कर अपनी दूसरी सन्तान को जन्म दे दिया है। सबको विदित होगा कि वर्ष 2010 में 16–17 अप्रैल को टी–1 के द्वारा पहले 4 शावकों को जन्म दिया था। उन 4 में से आज की स्थिति में 2 जीवित नर शावक की उम्र महज 22 महीने हुई है, परन्तु टी–1 एवं टी–3 ने मिल कर अपने दूसरी सन्तान की श्रृष्टि करने में कामयाब हो गये व बाघ पुर्नस्थापना योजना एवं बाघों के साम्राज्य का ध्वज लहराते हुए देश के सामने एक ऐसा नजारा पेश कर रहे हैं कि पन्ना ही नहीं पूरा देश मजबूर होकर उन्हें अपनायें व बाघों को प्रापत राष्ट्रीय सम्मान उन्हें दे। बाघ पुर्नस्थापना योजना की अनुश्रवण के आधार पर यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि इन नन्हे–नन्हे शावकों का जन्म दिनांक 16–17 फरवरी को हुआ है। इसकी जानकारी अप्रत्यक्ष रूप से पार्क प्रबन्धन को पहले से ही थी।

आज दिनांक 12.3.2012 को 11.34 बजे सर्व श्री अखिलेश सक्सेना, रज्जन एवं परमानन्द श्रमिक ने टी–1 के 02 शावकों को प्रत्यक्ष रूप से निहारा। तत्पश्चात पन्ना टाईगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक श्री आर.श्रीनिवास मूर्ति, उप संचालक श्री विक्रम सिंह परिहार एवं पन्ना जिला के मानसेवी वन्य प्राणी अभिरक्षक श्री हनुमत सिंह के द्वारा इन शावकों को प्रत्यक्ष रूप से देखा वीडियो में 03 बच्चे नजर आते हैं। अभी तक किये गये प्रत्यक्ष दर्शन से टी–1 कम से कम 02 बच्चों की पुष्टि हुई है। आगे जब टी–1 अपने बच्चों को लेकर अपनी गुफा से निकल कर स्वतंत्र रूप से विचरण करने लगेगी तब शावकों के आंकड़े और स्पष्ट हो जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि पन्ना टाईगर रिजर्व में टी–1 से लेकर टी–5 तक में एक नर, 4 मादा संस्थापक बाघों के रूप में एवं उनके 11 से अधिक बच्चे पार्क में मौजूद हैं। इस प्रकार पन्ना टाईगर रिजर्व में शेरों की आवादी 2009 में शून्य में पहुंच गई थी अब 15 से अधिक हो गई है। यह सफलता पन्ना टीम अपनी कार्य कुशलता, कर्मठता एवं अपनी कर्त्तव्य के प्रति निष्ठा का द्योतक है। पन्ना के बाघों का परिवार पूरी दुनिया में भारत के राष्ट्रीय पशु शेरों का ध्वज लेकर शेरों का खोया हुआ सम्मान वापिस दिलाने में अग्रसर है। पन्ना व छतरपुर जिला एवं पूरे देश व पूरे संसार के आम और खास से आग्रह किया जाता है कि इस बाघ पुर्नस्थापना योजना को ही नहीं संसार के बाघों का समर्थन करने में एकजुट होकर आगे निकलें।

'' जय हिन्द, जय भारत ''

दिनांक – 12.03.2012

क्षेत्र संचालक
पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना

C:\Users\V.N.Jaria\Desktop\Press Note 12-3-2012_.doc